eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का दृष्टिकोण

[1]पूजा गोस्वामी
[1]शोधार्थी, गृह विज्ञान विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उ0प्र0

Received: 20 June 2023, Accepted: 28 June 2023, Published with Peer Reviewed on line: 31 July 2023

Abstract

कोविड–19 के कारण हुआ लॉकडाउन विश्व पटल पर एक अनोखी घटना थी, जब समूचे विश्व में सभी प्रकार की गतिविधियाँ रूक सी गई। शिक्षण संस्थान बन्द कर दिए गये, फैक्ट्रियों में ताले लग गये एवं स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में सन्नाटा छा गया। ऐसी परिस्थिति में विद्यालयों के पुनः खुलने एवं पठन–पाठन को लेकर न केवल विद्यार्थी बल्कि शिक्षकों एवं अभिभावकों के मन में भी तनाव की स्थिति बनने लगी। ऐसी तनावपूर्ण व आपातकालीन स्थिति में सबसे बड़ा प्रश्न यह था कि ऐसा क्या किया जाए जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा में निरंतरता बनी रहे एवं सत्र की न्यूनतम क्षति हो। जिसके लिए ऑनलाइन शिक्षा एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आया। विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का जो विकास एवं प्रसार हुआ वह सामान्य समय में सम्भवतः दस वर्ष के पश्चात् सम्भव हो पाता। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना है। शोधकर्ता द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिसे के स्नातक स्तर के 100 विद्यार्थियों एवं 100 शिक्षकों इस प्रकार कुल 200 प्रतिदर्श का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया। आंकड़ों के संकलन हेतु प्रश्नावली का निर्माण किया गया। शोध के परिणाम में पाया गया कि 84 प्रतिशत विद्याार्थी एवं 86 प्रतिशत शिक्षक ऑनलाइन शिक्षा को पठन–पाठन के नवीन अवसर के रूप में मानते हैं एवं 62 प्रतिशत विद्यार्थी एवं 70 प्रतिशत शिक्षक इस बात से सहमत हैं कि विद्यार्थी ऑनलाइन शिक्षा से प्रयोगात्मक एवं कौशल आधारित ज्ञान प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

बीज शब्द– ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, उच्च शिक्षा, दृष्टिकोण।

Introduction

किसी भी देश में समय एवं परिस्थिति के अनुसार मानवीय क्षमताओं का विकास एक बड़ी चुनौती रहती है, इस चुनौती का सामना करने हेतु शिक्षा की व्यवस्था की जाती है। लेकिन शिक्षा कैसी हो ? इसकी योजना किस प्रकार की हो? एवं योजना का क्रियान्वयन किस प्रकार से किया जाए इत्यादि प्रश्न भी चुनौती के रूप में सदैव विद्यमान रहते हैं। शिक्षाविद कहते हैं कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति एवं समाज दोनों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके तथा जीवनोपयोगी भी हो। समय के साथ–साथ व्यक्ति एवं समाज की आवश्यकताएं मानक एवं मूल्य बदलते रहते हैं परिणाम स्वरूप शिक्षा का स्वरूप भी बदलता रहता है।

आज की शिक्षा नवयुगीन साधनों एवं युक्तियों से सुसज्जित हो गयी है। साधारण ब्लैक बोर्ड की जगह स्मार्टबोर्ड एवं चॉक की जगह मार्कर ले लिया है शिक्षा जगत के तौर तरीके में तेजी से

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

बदलाव हो रहा है। ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा जगत का उभरता हुआ क्षेत्र है। ऑनलाइन शिक्षा जिसे डिजिटल शिक्षा व इण्टरनेट आधारित शिक्षा के नाम से भी जाना जाता है। ऑनलाइन शब्द का अर्थ तटस्थ, इण्टरनेट से जुड़ा होना, सम्पर्कयुक्त, सम्पर्कवान, सजीव सम्पर्क व हमेशा जुड़े रहना होता है। संक्षिप्त में यदि ऑनलाइन शिक्षा को परिभाषित किया जाए तो ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा प्रदान करने का ऐसा माध्यम है जिसमें इण्टरनेट व अन्य संचार साधनों की सहायता से शिक्षा प्रदान की जाती हैं। यह वास्तविक समय में सीखने सिखाने की प्रक्रिया है इसमें विद्यार्थी विद्यालय गये बगैर अपने घरों में रहकर ही स्मार्ट फोन, लैपटॉप, टैबलेट व इण्टरनेट की सहायता से शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आज ऑनलाइन शिक्षा केवल तकनीक का प्रयोग कर दी जाने वाली शिक्षा ही नहीं वरन् समाजीकरण की नई प्रक्रिया है जिसके माध्यम से शिक्षा जगत से सम्बन्धित शिक्षक व शिक्षार्थी एक दूसरे से संवाद कर पाते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है :–

1– तुल्यकालिक (सिंक्रोनस) : यह वास्तविक समय में सीखने एवं सिखाने का तरीका है। इसमें एक ही समय में विद्यार्थी एवं शिक्षक वर्चुअल क्लास रूम, ऑडियो व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं लाइव चैट के द्वारा पठन–पाठन करते हैं। इसे रियल टाइम लर्निंग भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें विद्यार्थी यदि उसे पढ़ने के दौरान कुछ समझ में नहीं आता है या उसे कुछ पूछना हो तो उसे क्लास के दौरान ही पूछ सकता है, और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर सकता है। इसमें संचार माध्यमों एवं डिजिटल उपकरणों की आवश्यकता होती है।

2– **अतुल्यकालिक (असिंक्रोनस)–** यह कहीं भी, कभी भी सीखने की पद्धति है। इसमें विद्यार्थी एवं शिक्षक को एक ही समय में जुड़ने की कोई बाध्यता नहीं होती है बल्कि वे जब चाहें अपनी इच्छा एवं समयानुसार सीखने व सिखाने का कार्य कर सकते हैं। इस शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थी वेबसाइट, यू ट्यूब विडियो, ई बुक्स इत्यादि के माध्यम से पढ़ सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा का इतिहास पुराना है। पहली बार इलेक्ट्रानिक शिक्षा का प्रयोग टोरन्टो विश्वविद्यालय में 1984 में किया गया था धीरे–धीरे सभी इस वेब आधारित शिक्षा से परिचित होने लगे। भारत में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में IGNOU के बारे में सभी जानते हैं। जहाँ देश विदेश के 4 करोड़ बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। भारत में अभी डिजिटल या ऑनलाइन शिक्षा अपनी शैशवावस्था में हैं। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने कई ई–लर्निंग कार्यक्रमों का प्रारम्भ किया है। प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री जॉन डीवी के अनुसार शिक्षा एक त्रिमुखी प्रक्रिया होती है, जिसके मुख्य रूप से तीन बिन्दु होते हैं शिक्षक, विद्यार्थी व पाठ्यक्रम। आनुपातिक रूप से बहुत कम ही शिक्षक ऐसे हैं जो ऑनलाइन शिक्षण हेतु प्रशिक्षित हैं।

विद्यार्थियों की बात की जाए तो विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षा के प्रति रूझान सकारात्मक हैं। जिसका कारण इस शिक्षण पद्धति में लचीलेपन का होना है। यदि भारत में ऑनलाइन शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम की बात की जाए तो स्कूल स्तर पर राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली, उच्च शिक्षा में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय एवं कुछ राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

को छोड़कर शेष संस्थानों में ऑनलाइन शिक्षा के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार नहीं हैं। चूँकि भारत एक विकासशील देश है एवं उसके सामने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों जैसे–गरीबी, अशिक्षा, बेराजगारी व जनसंख्या वृद्धि मौजूद है।

देश में शिक्षा को समाज के सभी वर्गों एवं समुदायों के पास पहुँचाने का कार्य विभिन्न स्तर पर भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। भारत सरकार ने वर्ष–2015 में डिजिटल इण्डिया मिशन की शुरूआत की जिससे अन्य क्षेत्रों के साथ शिक्षा जगत में भी डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा दिया जा सके। शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से अपने ज्ञान, विषय वस्तु एवं विचारों को विद्यार्थियों तक पहुँचा सकें तथा स्वयं भी प्रशिक्षण प्राप्त करके शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के नए–नए तरीकों से परिचित होते रहें।

कोविड–19 के दौर में ऑनलाइन कक्षाएं शिक्षा के एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरकर सामने आयीं हैं। जो भविष्य में निःसन्देह एक उज्जवल शिक्षण मार्ग का निर्माण करने में सहायक होंगी। आधुकि युग ऑनलाइन युग है, जिसे समाज के हर वर्ग व समुदाय ने स्वीकार किया है। आज का युवा इस इण्टरनेट आधारित ई–सेवाओं का भरपूर प्रयोग करता है जैसे–बैंकिंग, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शॉपिंग व ऑनलाइन शिक्षा आदि।

आज के बच्चे व युवा ऑनलाइन गेम्स, कविता, कहानी एवं कार्टून्स आदि को डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से सीखते व खेलते रहते हैं, यह उनके जीवन का एक हिस्सा बन चुका है। ऑनलाइन शिक्षा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सीखने के बहुआयामी अवसर प्रदान करती है। सिंह (2020) के अनुसार कोरोना के दौरान शिक्षण गतिविधियों पर विराम सा लग गया है लेकिन इसके बावजूद ऑनलाइन शिक्षण ने नए मार्ग खोल दिए हैं। परिणाम स्वरूप परम्परागत शिक्षा अब तेजी से ऑनलाइन शिक्षा की ओर अग्रसर है।

नेशनल सैम्पल सर्वे के शिक्षा से सम्बन्धित 75 वें चरण के आँकड़े बताते हैं कि देश में महज 24 प्रतिशत घरों में ही इण्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है। इनमें से 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में है, वही ग्रामीण क्षेत्रों केवल 15 प्रतिशत घरों में ही इण्टरनेट की सुविधा है। देश में केवल 11 प्रतिशत घर ऐसे हैं जिनके पास अपने निजी लैपटॉप या कम्प्यूटर है।

आईएएमएआई (IAMAI) के ताजा आँकड़ों के अनुसार भारत में वर्तमान में लगभग 50 करोड़ इण्टरनेट यूजर हैं इनमें से 43.3 करोड़ यूजर 12 वर्ष की आयु से अधिक के हैं एवं इसमें 65 प्रतिशत पुरूष हैं। शहरी एवं ग्रामीण पुरूषों एवं महिलाओं के बीच के इस डिजिटल अन्तर को अन्य विश्वविद्यालयों के द्वारा किए गये सर्वे में भी सही बताया गया है। देश के बड़े तकनीकी संस्थानों यानी की आईआईटी के अधिकतर छात्रों ने बताया कि वो स्टडी मैटेरियल को डाउनलोड तथा ऑनलाइन क्लास इण्टरनेट की खराब कनेक्टिविटी और अपर्याप्त डेटा के कारण नहीं ले पाते है।

अध्ययन का उद्देश्य –

1. ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2. ऑनलाइन शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

शोध विधि– प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान का प्रयोग किया गया है। शोध में ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन किया गया है। शोध हेतु उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के स्नातक स्तर के 10 महाविद्यालयों से 100 विद्यार्थियों एवं 100 शिक्षकों इस प्रकार कुल 200 प्रतिदर्श का चयन या दृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया। प्रत्येक महाविालय से 10 शिक्षक एवं 10 विद्यार्थी का चयन किया गया। आंकड़ों के संकलन हेतु ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण एवं ऑनलाइन शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण नामक प्रश्नावली का निर्माण शोधकर्ता द्वारा किया गया एवं प्राप्त आंकड़ों से निष्कर्ष निकालने हेतु प्रतिशत विधि का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण व्याख्या एवं परिणाम– एकत्र आंकड़ों का विश्लेषण कर उन्हें तालिका 1 व 2 में प्रस्तुत किया गया है : –

तालिका–1

ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण

क्र0 सं0	प्रश्न	कुल विद्यार्थी 100					
		सहमत (संख्या)	प्रतिशत	असहमत (संख्या)	प्रतिशत	अनिश्चित	प्रतिशत
1.	क्या आप ऑनलाइन शिक्षा को पठन–पाठन के नवीन अवसर के रूप में मानते हैं?	84	84	10	10	06	06
2.	ऑनलाइन शिक्षा में आपको शंका समाधान के पर्याप्त अवसर मिलते हैं?	50	50	41	41	09	09
3.	क्या ऑनलाइन शिक्षा के कारण आप प्रयोगात्मक एवं कौशल आधारित ज्ञान प्राप्त नहीं कर पाते हैं?	62	62	30	30	08	08
4.	क्या ऑनलाइन शिक्षण के समय आपको पाठ्य–सामग्री, आडियो, वीडियो स्पष्ट नहीं हो पाती है?	78	78	14	14	08	08
5.	क्या ऑनलाइन शिक्षा के कारण आप शारीरिक समस्याएं जैसे आँख दर्द, सिर दर्द, कमर दर्द एवं मानसिक तनाव का अनुभव करते है?	54	54	24	24	22	22

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

6.	क्या ऑनलाइन शिक्षण में शिक्षक से सीधे अंतः क्रिया न होने के कारण आप इ–कंटेंट को अपेक्षाकृत कम गंभीरता से लेते हैं?	54	54	36	36	10	10
7.	क्या ऑनलाइन कक्षा में आपको ध्यान लगाने में परेशानी होती है?	58	58	20	20	22	22
8.	आपके जो साथी ऑनलाइन शिक्षा नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं क्या उनका उपलब्धि स्तर प्रभावित होगा?	74	74	15	15	11	11
9.	क्या आप भविष्य में भी ऑनलाइन शिक्षा का लाभ लेना चाहते हैं?	84	84	09	09	07	07
10.	क्या ऑनलाइन शिक्षा के प्रति आपकी रूचि धीरे धीरे कम हो रही है?	40	40	50	50	10	10

विश्लेषण एवं व्याख्या– तालिका–1 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि 84 प्रतिशत विद्यार्थी इस बात पर सहमत हैं कि उन्हें ऑनलाइन में सीखने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं।

84 प्रतिशत विद्यार्थी भविष्य में भी ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से पढ़ना चाहते हैं तथा 78 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना है कि ऑनलाइन शिक्षण के दौरान उन्हें पाठ्य सामग्री, आडियो, वीडियो स्पष्ट न होने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

54 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना है कि ऑनलाइन कक्षा के दौरान शिक्षक से प्रत्यक्ष अन्तः क्रिया न होने के कारण वे ई–कंटेंट को कम गम्भीरता से लेते हैं जबकि 14 प्रतिशत विद्यार्थी इससे असहमत हैं। 54 प्रतिशत विधार्थियों ने इस बात पर सहमति जताई कि उन्हें ऑनलाइन शिक्षण के कारण शारीरिक समस्याओं जैसे–सिर दर्द, आंखों में दर्द, कमर दर्द व मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। जबकि 24 विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें ऐसी किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा।

40 प्रतिशत विद्यार्थियों ने इस बात से सहमति जताई है कि ऑनलाइन शिक्षा के प्रति उनकी रूचि में कमी आयी है। जबकि 50 प्रतिशत का यह मानना है कि उनकी रूचि में कोई कमी नहीं आयी है, इस प्रश्न पर सहमत व असहमत विद्यार्थियों की संख्या में बहुत कम अन्तर पाया गया है।

74 प्रतिशत विद्यार्थियों ने माना कि जो बच्चे ऑनलाइन कक्षा का लाभ नही ले पा रहे हैं उनका उपलब्धि स्तर प्रभावित होगा। जबकि 15 प्रतिशत विद्यार्थी इससे असहमत हैं।

62 प्रतिशत विद्यार्थियों ने माना कि ऑनलाइन शिक्षा के कारण बच्चे प्रयोगात्मक व कौशल आधारित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। जबकि 30 प्रतिशत विद्यार्थी इससे असहमत हैं। है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

41 प्रतिशत विद्यार्थियों का मत है कि ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों को शंका समाधान का अवसर नहीं मिल पाता है, जबकि 50 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना है कि अवसर मिल पाता है।

तालिका–2

ऑनलाइन शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण

क्र0 सं0	प्रश्न	कुल शिक्षक100					
		सहमत (संख्या)	प्रतिशत	असहमत (संख्या)	प्रतिशत	अनिश्चित	प्रतिशत
1.	क्या आप लॉनलाइन शिक्षा को पठन–पाठन के नवीन अवसर के रूप में मानते हैं?	86	86	08	08	06	06
2.	क्या ऑनलाइन शिक्षा के कारण विद्यार्थी प्रयोगात्मक एवं कौशल आधारित ज्ञान प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं?	70	70	22	22	08	08
3.	क्या ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाने हेतु आपके पास पर्याप्त साधन व डेटा पैक उपलब्ध रहता है?	60	60	34	34	06	06
4.	क्या ऑनलाइन शिक्षा में विधार्थियों को शंका समाधान का पर्याप्त अवसर मिल पाता है?	52	52	38	38	10	10
5.	क्या ऑनलाइन कक्षा में विद्याार्थियों को ध्यान लगाने में परेशानी होती है?	66	66	20	20	14	14
6.	क्या आपसे सीधे अन्तः क्रिया न होने के कारण विद्यार्थी ई–कंटेंट को अपेक्षाकृत कम गम्भीरता से लेते हैं?	68	68	18	18	14	14
7.	जो विद्यार्थी ऑनलाइन शिक्षा का लाभ नहीं ले पा रहे हैं क्या उनका उपलब्धि स्तर प्रभावित होगा?	78	78	14	14	08	08
8.	क्या विद्याार्थियों की सोशल मीडिया की आदत छुड़ाना कठिन है?	54	54	26	26	20	20

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

9.	भविष्य में भी विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से पढ़ाया जाना चाहिए?	84	84	10	10	06	06
10.	क्या ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति संभव हो पाती है?	44	44	46	46	10	10

विश्लेषण एवं व्याख्या– तालिका–2 से स्पष्ट होता है कि 86 प्रतिशत शिक्षक ऑनलाइन शिक्षा को सीखने–सिखाने के नवीन अवसर के रूप में मानते हैं। 84 प्रतिशत शिक्षकों ने इस बात से सहमति जताई कि भविष्य में भी विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से पढ़ाया जाना चाहिए। यह दोनों कथन प्रथम व द्वितीय स्थान पर पाये गए। 78 प्रतिशत शिक्षकों ने माना कि जो बच्चे ऑनलाइन कक्षा का लाभ नही ले पा रहे हैं उनका उपलब्धि स्तर प्रभावित होगा। 70 प्रतिशत शिक्षकों ने माना कि ऑनलाइन शिक्षा के कारण बच्चे प्रयोगात्मक व कौशल आधारित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। 60 प्रतिशत शिक्षकों ने बताया कि ऑनलाइन पढ़ाने हेतु उनके पास पर्याप्त डेटा पैक व साधन है जबकि 34 प्रतिशत शिक्षकों के पास पर्याप्त डेटा पैक नहीं है। 52 प्रतिशत शिक्षकों का मत है कि ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों को शंका समाधान का अवसर नहीं मिल पाता है, जबकि 38 प्रतिशत शिक्षकों का मानना है कि अवसर मिल पाता है।

54 प्रतिशत शिक्षकों का मानना है कि इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों के सोशल मीडिया की आदत को छुड़ाना मुश्किल है जबकि 26 प्रतिशत शिक्षक इस बात से असहमत हैं। 46 प्रतिशत शिक्षक इस बात से सहमत हैं कि ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थी के नियमित उपस्थिति सम्भव नहीं हो पाती है जबकि 44 प्रतिशत का मानना है कि ऑनलाइन कक्षा में भी विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति सम्भव है।

निष्कर्ष– वर्तमान में ऑनलाइन शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने हेतु एक अच्छे माध्यम के रूप में लोकप्रिय है। यह नवोन्मेषी, समय, धन एवं संसाधन की बचत करने वाला माध्यम है। इसलिए किताबों व अन्य पाठ्य सामग्री का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। वेबसाइट, वीडियो, ऑडियो इत्यादि से विषयवस्तु का डिजिटलाइजेशन करके सभी विद्यार्थियों तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। लेकिन समाज के पिछड़े व आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों तक ऑनलाइन शिक्षा को पहुँचाना एक चुनौती है, क्योंकि उनके पास ऑनलाइन पढ़ने हेतु आवश्यक संसाधनों की कमी होती हैं। ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के सहज तरीके को विकसित करना भी एक चुनौती ही है। वस्तुतः भारत जैसे देश में परम्परागत कक्षा का विलोप संभव नहीं है। शिक्षा के एक समावेशी ढांचे से इन सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है । जिसमें ऑनलाइन शिक्षा, परम्परागत शिक्षा में एक सहयोगी माध्यम के रूप में शामिल होगी एवं परम्परिक शिक्षा ऑनलाइन शिक्षा के नवाचार एवं विकास को बाधित नहीं करेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक एवं सरकार के समन्वित एवं विकासपरक प्रयास से देश की शिक्षा व्यवस्था वर्तमान एवं भावी चुनौतियों का सामना करने एवं सभी चुनौतियों का समाधान में सक्षम होगी।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 02, July 2023

सुझाव– ऑनलाइन शिक्षण पद्धति से पढ़ाते समय कला, गायन, वादन, नृत्य एवं अन्य कौशल आधारित शिक्षा भी प्रदान की जाए ताकि विद्यार्थी कुंठा,तनाव, अवसाद आदि का शिकार ना हो और मनोरंजन के साथ कक्षा से जुड़े रहें।

- विद्यार्थियों से अन्तः क्रिया एवं आत्मीयता बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक कक्षा के दौरान विद्यार्थी को उसके नाम से पुकारे। उसकी व्यक्तिगत समस्याओं को ध्यान से सुने तथा उसका समाधान करें।
- ऑनलाइन शिक्षा का वैकल्पिक शिक्षा के रूप प्रयोग किए जाने पर बल दिया जाए। मिश्रित (ब्लेंडेड) शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि तकनीक की जानकारी वर्तमान समय की माँग है। ऑनलाइन शिक्षा सीखने के नये अवसर प्रदान करती है।
- आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए एवं उन्हें मुख्यधारा में लाने हेतु प्रयास किया जाए।
- ऑनलाइन कक्षाओं के साथ साथ परम्परागत कक्षाओं को बढ़ावा दिया जाए ताकि विद्यार्थियों में सामाजिक गुणों का विकास हो सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. मौर्य गीतांजलि (2020) लॉकडाउन पश्चात् भारतीय परिदृश्य (आपदा या अवसर) कोविड–19 लॉकडाउन में शैक्षिक परिदृश्य, अनुबुक्स, पृ0 95–100
2. दृष्टि (2020) शिक्षा प्रणाली पर कोविड–19 महामारी का प्रभाव,
3. पाण्डेय जितेन्द्र कुमार (2007) भारत में आधुनिक शिक्षा का प्रसारः दशा और दिशा, कुरूक्षेत्र, मासिक पत्रिका, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली अंक–11 पृ0 7–9
4. संयुक्त राष्ट्र संघ, (2020) एजुकेशन क्राइसिस, द हिन्दू–मैग्जीन लखनऊ, पृ0 1
5. कुमार कृष्ण (2020) समझे शिक्षा पर गहराता संकट, जनसत्ता, नई दिल्ली।
6. https//www.jansatta.com/politics/jansatta.article of krishna-kumar-education-expenses/10617/lite
7. प्रवात के जेना (2020) ऑनलाइन लर्निंग, ड्यूरिंग ऑनलाइन पीरियड फॉर कोविड–19 इन इण्डिया, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च 9(5) पृ0 82–92
8. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2020) नोटिस–कोविड–19 स्टे सेफ–डिजिटल इनिशिएटिव
9- https://www.mohfw.gov.in/pdf/covid-19
10. युनिसेफ एजुकेशन एण्ड कोविड.19
11- Data.unicef.org/topic/education and Covid-19
12. कोहली एच, वैम्पोल, कोहली, (2021) इम्पैक्ट ऑफ ऑनलाइन एजुकेशन ऑन स्टूडेन्ट लर्निंग ड्यूरिंग द पेन्डैमिक, स्टडीज इन लर्निंग एण्ड टीचिंग पृ0 1–11

13- https://doi.org/10-96627/silet V212.65
14. इलेक्ट्रानिक शिक्षा, विशेषताएँ एवं चुनौतियाँ, 22 अगस्त 2020
15- https://www.dristiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/limitations-of-online-learning.
16- अग्रवाल एस एण्ड कौशिक जे एस, (2020) स्टुडेन्ट् परसेप्सन ऑफ ऑनलाइन सर्निंग ड्यूरिंग कोविड–19 पेन्डेमिक, 87, 554
17- doi:10.10007/s12098-02003327-7
18. होन के0एस0एण्ड एल0 सैड जी0आर (2016) एक्सप्लोरिंग द फैक्टर्स अफैक्टिंग मूक रीटेन्सन, ए सर्वे स्टडी, कम्प्यूट एडूक, 157–168
19- doi:10.1016/j.compedu.201603.016
20. रेयाल पी, (2020) इ लगिंग : द एडवान्टेज एण्ड चैलेन्जेस
21- https:/www/entrepreneur.com/article/351860
22. कुक जीः (2021) ऑनलाइन लर्निंग वर्सेज फेस टू फेस लर्निंग
23- https://www/.elucidat.com/blog/online-learning-vs-face-to-face-learning.
24. प्रज्ञाता–डिजिटल शिक्षा के लिए दिशा–निर्देश, विद्यालयी शिक्षा एंव साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय पृष्ठ संख्या 1–3